सृजन और समीक्षा

डॉ. सरोज गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

सृजन और समीक्षा

डॉ. सरोज गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
शासकीय स्वशासी कन्या उत्कृष्टता महाविद्यालय
सागर (मध्यप्रदेश)

अस्मिता प्रकाशन
52, तुलारामबाग, इलाहाबाद

Scanned with OKEN Scanner

पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से, अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

ISBN : 978-81-905720-6-4

एक मात्र वितरक : अनामिका प्रकाशन
52, तुलारामबाग, इलाहाबाद-211006
फोन : 9415347186, 9415763049

प्रकाशक : अस्मिता प्रकाशन
98/52 तुलारामबाग, इलाहाबाद-211006

e-mail : vks185@rediffmail.com

प्रथम संस्करण : 2014

स्वत्वाधिकार : लेखक

टाईप सेटिंग : मानस कम्प्यूटर्स, इलाहाबाद

मुद्रक : नेहा प्रिंटिंग प्रेस, इलाहाबाद

मूल्य : रु0 450.00

SRIJAN AUR SAMIKSHA by Dr. Saroj Gupta

Scanned with OKEN Scanner

विषय-वस्तु

कबीर : मानव मात्र की समानता के उद्घोषक	13
श्रृंगार काव्य परम्परा के सौन्दर्य साधक कवि : पद्माकर	18
'शिवा को सराहौं कि सराहौं छत्रसाल को'	27
प्रेमपरक काव्य के प्रणेता : प्रेमी हृदय डॉ. हरीसिंह गौर	30
शोक-गीत परम्परा में निराला की 'सरोज स्मृति'	35
बहुआयामी व्यक्तित्व व कृतित्व के धनी : राष्ट्रकवि श्री मैथिलीशरण गुप्त	41
सहज भावों के कवि : सियारामशरण गुप्त	45
आज के सन्दर्भ में सियारामशरण गुप्त के साहित्य की सार्थकता	52
श्री अटल बिहारी वाजपेयी का काव्य सृजन	59
साहित्य मनीषीः आचार्य भगीरथ मिश्र	63
बुन्देली लोक संस्कृति के चतुर चितेरेः डॉ. नर्मदा प्रसाद गुप्त	67
बुन्देली स्वातंत्र्य चेतना के अग्रदूतः पण्डित ज्वालाप्रसाद ज्योतिषी	69
आधुनिक कबीर : डॉ. कांतिकुमार जैन	74
प्रेरणा के अक्षय स्त्रोतः कीर्तिशेष प्रो. लक्ष्मीनारायण दुबे जी	82
राष्ट्रीय अभिव्यक्ति का सशक्त मंत्र : वन्दे मातरम्	84
स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी के जब्तशुदा राष्ट्रीय गीत	87
भारतीय दर्शन और पर्यावरण	95
मुस्लिम भक्त कवियों में लोक संस्कृति	98
प्रकृति : साहित्य और विज्ञान	105
पर्यटन और साहित्य	107
हिन्दी महिला लेखनः अपार सम्भावनायें	109
महिला सशक्तिकरण	111
'मूक माटी' महाकाव्य में नारी विषयक अवधारणा	114
मूल्य विखण्डन और आज की हिन्दी कहानी	120
संचार क्रांति और राष्ट्रभाषा हिन्दी	127
आजाद भारत और राष्ट्रभाषा	129
प्रेम-पराग : बालपद्यबद्ध कथाओं का संग्रहः एक विवेचना	132
प्रेम-पराग : बालपद्यबद्ध कथायें - मुंशी अजमेरी	135

Scanned with OKEN Scanner

कृष्णायन के युगपुरुष कृष्ण 141
बुन्देलखण्ड के प्रेम तपस्वी : ईसुरी 147
याद नहीं बिसरी : कवि श्री निर्मलचंद 'निर्मल' 179
नववेदान्त और विवेकानन्द : डॉ. आर.डी. मिश्र 183
गठरी में लागे चोर : व्यंग्य समीक्षा : एक दृष्टि 187
हैमबरगर : नारी पीड़ा की सशक्त अभिव्यक्ति 191
समन्दर के सीप : काव्य संग्रह 194
बांसों के झुरमुट से : नवगीतों में बांसुरी के स्वर 195
अबाबील की उड़ान : सहज जीवन की रागात्मक उड़ान 201

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. सरोज गुप्ता

20 जुलाई 1963 को बड़ाँगाव (झांसी) में जन्म। पिता श्री स्व. बुद्धि प्रकाश सरावगी मर्मज्ञ विद्वान। लंबे अरसे से साहित्य साधना में संलग्न। बुन्देलखण्ड के साहित्य और संस्कृति के प्रति खासा अनुराग। अपने रचनाकर्म और अध्यापकीय कार्य के दौरान यूजीसी के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक निर्वाहन। राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में सक्रिय भागीदारी और संयोजन। लेखन में तीन महत्वपूर्ण कृतियां सियारामशरण गुप्त के काव्य में समाज और संस्कृति, बुन्देली धरती, सर्जना और सृजन, बुन्देलखण्ड की संस्कृति एवं प्रमुख कवि का प्रकाशन।
आठ पुस्तकों का संपादन कार्य। हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई गरिमामय मंचों से सम्मानित।

सम्प्रति – सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, शासकीय स्वशासी उत्कृष्टता कन्या महाविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)
संपर्क – सीमा कॉलोनी, स्नेहनगर, मधुकरशाह वार्ड, सागर (म.प्र.)
दूरभाष – 07582-265718, मोबाइल – 9425693570

Scanned with OKEN Scanner